

- मूर्द्धिर्ध्वं किरीटम्; R. Schl. II. 74. 29.: रङ्गुम् बद्धा य-
त्रा कण्ठे; MAH. 3. 10727.: बन्धिष्ये सेतुना गङ्गाम्;
BH. 4. 14.: कर्मभिः स न बध्यते; M. 48.: सा (नैः)
बद्धा तत्र. Figere, defigere, e. c. *animum, oculos*. RAGH.
6. 36.: तस्मिन् ... बबन्ध सा न ... भावम्; 3. 4.: ब-
बन्ध मनः; SAK. 43. 7.: लक्ष्मं बद्धा. 2) capere, pre-
hendere. HIT. 16. 22.: बध्यन्ते निपुणैर् अगाधसलि-
त्तान् मत्स्याः समुद्रात्. 3) producere. RAGH. 12. 69.:
काले खलु समारब्धाः फलम् बध्यन्ति नीतयः (Schol.
जनयन्ति). — *Caus. ligandum curare*. RAGH. 12. 70.:
स सेतुम् बन्धयामास प्रवगैः (Cf. बुन्ध, goth.
BAND ligare, *binda, band, bundum*; fortasse anglo-sax.
fas-t, faes-t; island. vet. *fas-t*; nostrum *fes-t firmus*,
fixus = बद्ध; zend. *bas-ta* ligatus, v. gr. comp. 102.;
gr. IIIΘ, mutata mediâ in tenuem sicut in IIAΘ =
बध्, बाध्, attenuato α in ι sicut in goth. *binda*; πει-
σ-μα, πεισω; lat. *fi-lum* pro *fid-lum*, *fi-nis* pro *fud-
nis, fid-es, fid-o* pro *feido* = πεισω, *foed-us* = *foidus*,
regressâ aspiratione, v. gr. comp. 104., Ag. Benary «*Rö-
mische Lautlehre* p. 190.», cf. Pott. I. 251.; lith. *bandà*
pecus, a ligando dictum sicut पशु a पश्य; slav. *vjažati*
ligare. V. बन्ध, बन्धन, बन्धु.)
- c. अनु 1) ligare, alligare. R. Schl. I. 72. 8. DEV. 1. 22.
2) adhaerere. HIT. 24. 20.: भङ्गे ऽपि मृणालानाम् अ-
नुबध्यन्ति तन्तवः. 3) durare. N. 13. 31.: ना 'नुबध-
ति कुशलम्.
- c. आ illigare. R. Schl. II. 96. 31. MEGH. 9.
- c. नि 1) ligare, adstringere. BH. 9. 9. 14. 7. N. 16. 8.
MAH. 4. 982.
- c. परि *id. TROP.* R. Schl. II. 58. 11.: वाचा ... वाष्पपरि-
बद्धया.
- c. प्रति *id. TROP.* RAGH. 1. 79.: प्रतिबध्नाति हि श्रेयः पू-
ज्यपूजाव्यतिक्रमः.
- c. सम् *id. A.* 8. 7. — *Caus. alligandum curare*. R. Schl.
I. 62. 24.
2. बन्ध् 10. P. ligare. R. Schl. II. 84. 4.: बन्धयिष्यतिवा
पाशैर् अथवा 'स्मान् बधिष्यति.

- बन्ध *m.* (r. बन्ध *s.* अ) *nexus, vinculum*. BH. 2. 39. 18. 30.
RAGH. 6. 31. (Cf. hib. *bad* «a bunch, bush, cluster, tuft,
thicket»; armor. *bôd* «touffe, buisson, trousseau».)
- बन्धकी *f.* (a बन्धक, quod a r. बन्ध *s.* अक) *femina im-
pudica, adultera, meretrix*. HIT. 86. 4.
- बन्धन *n.* (r. बन्ध *s.* अन) 1) *alligatio*. M. 49. 2) *vincu-
lum*. RAGH. 3. 30. 12. 76. (Goth. *bindan* ligare; hib. *ba-
dan* «a tuft of trees, a tuft of hair».)
- बन्धु *m.* (r. बन्ध *s.* उ) 1) *affinis, cognatus*. BR. 1. 23. N.
16. 18. 30. 2) *amicus*. BH. 6. 5. 9. (Cf. hib. *badh* «love,
friendship».)
- बन्धुकाम (*BAH.* e बन्धु et काम *amor, desiderium*) *erga
propinquos amorem habens*. BR. 1. 23.
- बन्धुर (r. बन्ध *s.* उर) *iniquus, undatus, undulatus*. RAGH.
13. 47.
- बन्ध्य (r. बन्ध *s.* य) *sterilis*. RAGH. 1. 70. HIT. 4. 21.
- बन्ध् et वन्ध् 1. P. (गतौ *κ.* गत्याम् *ν.*; ut videtur, forma
redupl.; cf. भ्रम्) *ire, errare*. HIT. 82. 13.: व-
यम् ... अन्धा इव बन्धामः.
- बन्धु 1) (*fem.* उ et ऊ) *flavus, rutilus*. RAGH. 15. 16. 19.
25. 2) *m. ichneumon*. Lass. 46. 3.
- बर्ब 1. P. (गत्याम्) *ire, se movere*. P. पम्ब.
- बर्बर *stultus, stupidus, baro*. HIT. 50. 8. (Cf. lat. *baro*.)
1. बर्ह vel वर्ह 1. et 10. P. (वधे दीप्तौ) *ferire, occidere,
lucere*. Cf. वृह, बल्ह.
- c. नि *in dial. Véd.* *prosternere*. RIGV. 100. 18.: दस्यून् ...
हत्वा पृथिव्यां शरा निबर्हीत् «*hostes feriendo humi
tela prostravit*».
2. बर्ह vel वर्ह 1. P. (स्मृतिहिंसादानवान्तु) *meminisse;
ferire, laedere, occidere; dare; loqui*. Cf. वृह,
बल्ह.
3. बर्ह vel वर्ह 1. A. (श्रेष्ठे) *excellere*. Cf. बल्ह.
1. बल् 1. P. (धान्यावरोधे *κ.* धान्यावरोधे जीवने *ν.*)
*opulentiam, fortunam alcjs impedit, perturbare;
vivere*.
2. बल् 1. A. (दानवधनिहृपेषु) *abscindere* (दान a दो?);